

# कोविड-19 के दौरान ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों पर आर्थिक प्रभाव : एक अध्ययन

**Shodh Siddhi**

A Multidisciplinary & Multilingual Double Blind Peer Reviewed International Research Journal  
Volume: 01 | Issue: 03 [July to September : 2025], pp. 38-42



**ज्योति पाण्डेय**

शोधार्थी (वाणिज्य विभाग)  
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह, महाविद्यालय  
रीवा (म.प्र.)



**डॉ. विद्युत प्रकाश मिश्र**  
प्राध्यापक (वाणिज्य)  
राजभान सिंह स्मारक महाविद्यालय  
मनिकवार, रीवा (म.प्र.)

## Abstract

ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के आर्थिक विकास पर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ा। जिससे उनका पूरा परिवार प्रभावित हुआ। बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, भुखमरी जैसी स्थितियाँ कोविड-19 के दौरान देखने को मिली। इससे अर्थव्यवस्था पर प्रकोप के प्रभाव विशेष रूप से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में विनाशकारी स्वरूप में रहा है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिकों की आय नुकसान ने कुछ अव्यक्त आर्थिक अपर्याप्तताओं को उजागर किया है। इससे कई लोग और व्यवसाय महामारी के दौरान ढप्प हो गया। इस अवधि की आर्थिक तबाही को अवशोषित करने के लिए ऑटोमोबाइल कम्पनी के मालिकों ने तो कम्पनी के कार्य कर रहे मजदूरों को तो ध्यान दिया। किन्तु जो श्रमिका स्वयं के आटोपार्ट्स की दुकाने कर रहे थे। उनकी दशा दिनोंदिन खराब होती गई। अंकड़ों पर आधारित आकलनों के अनुसार, उदाहरण के लिए, उभरते और उन्नत देशों में कुल परिवर्तों में अधिक, आर्थिक क्षति के मामले देखे गये। जो बुनियादी व्यय जारी रखने में सक्षम नहीं रहे। इस प्रकार से सामान्य कंपनी की वित्तीय परिसंपत्तियाँ केवल 55 दिनों से कम के खर्च को बनाए रख सकती थी। इस समस्याओं को बेहद संकट पत्र रही है। इससे वित्तीय संकट से पहले, उभरते देशों में बड़ी संख्या में लोग और व्यवसाय पहले से ही असहनीय उधार लागतों से जूझ रहे थे, और कई लोगों को संकट के बाद भुगतान करने में अत्यधिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। आय और आर्थिक कारोबार में तेजी से कमी आई। आपदा से दुनिया भर में असमानता और भूख बहुत प्रभावित हुई थी।

**Keywords:** वित्तीय संकट, महामारी, श्रमिक, संगठन, वैश्विक, गरीबी, प्रकोप, भुखमरी एवं ऑटोमोबाइल आदि।

## शोध प्रविधि-

इस शोध पत्र विषय शीषक कोविड-19 के दौरान ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों पर आर्थिक प्रभाव: एक अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीयक शोध सामग्री के आधार पर अध्ययन किया गया है। इस शोध पत्र में पत्रपत्रिकाओं, अर्थशास्त्रीय सिद्धान्तों के साथ साथ व्यावसायिक संगणकों को भी समाहित किया गया है। इसके साथ अन्य ग्रन्थों और विद्वानों का भी मार्गदर्शन प्राप्त किया गया है।

**उद्देश्य-**

- श्रमिकों को कोविड-19 से जागरूकता का अध्ययन करना।
- कोविड-19 में ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में सक्रियता का अध्ययन करना।
- ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में कार्य कर रहे श्रमिकों की आर्थिक समस्याओं का अध्ययन करना।
- कोविड-19 के माध्यम से श्रमिकों के आर्थिक मजबूती का अध्ययन करना।
- कोविड-19 के दौर में श्रमिकों के आर्थिक विकास की समस्याओं का अध्ययन करना।
- ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में कार्य कर रहे श्रमिकों को आर्थिक विसंगतियों के निदान का अध्ययन करना।

**समस्या-**

- 1- ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में कार्य करे श्रमिकों को हाथ धोने के लिए पानी और साबुन की उपयोगिता की कमी रही है।
- 2- श्रमिकों को आर्थिक दवाव के कारण सेनेटाइजर और अन्य सामानी की बड़ी समस्या रही है।
- 3- दूसरी बड़ी समस्या रही है कि आटोमोबाइल के क्षेत्र कार्य कर रहे श्रमिक जो अपनी आजीविका के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य में पलायन करने लगे।
- 4- कोविड-19 के दौरान समाज में श्रमिकों का जीवन बड़ी संकटापन्न स्थिति से जूझ रहा था। इसके लिए कोविड-19 के वायरस के जन सामुदायिक प्रसार के प्रति संवेदनशील रहा है।
- 5- औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिकों को आर्थिक मदद नहीं मिली।
- 6- लॉकडाउन में छूट के परिणाम स्वरूप हजारों लाखों प्रवासी कामगार कम्पनियों को छोड़कर घर लौटने की समस्याओं तक को झोला गया।

**शोध की विश्वसनीयता और वैधता को रेखांकित करना-**

भारतीय अर्थव्यवस्था का कोरोना वायरस का आटोमोबाइल के क्षेत्र में प्रभाव का अध्ययन शोध की विश्वसनीयता को रेखांकित करने में है कि अलग-अलग समय पर व्यक्तियों के समूहों या एक ही व्यक्ति पर मापन के श्रमिकों के आर्थिक विकास के प्रभाव के परिणाम प्रदान करता है। ग्रीन, टुल और अल्बम, 1988। विश्वसनीयता के मुद्दे विशेष रूप से उस स्थिति में महत्वपूर्ण हैं। जहां शोध का बहुत कम अनुभव मानव को मिलता है। जिससे आटोमोबाइल के क्षेत्र में कार्य कर रहे श्रमिकों में पड़ता है।

**साहित्य समीक्षा-**

- राणा एण्ड केरामत (2021), ए सिस्टेमेटिक लिट्रेचर रिव्यु ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 लॉकडाउन ऑन एयर कॉलिटी इन चाईना के प्रस्तुत अध्ययन में पाया महामारी के प्रकोप ने विश्व स्तर पर एक लाख से अधिक लोगों की जान ले ली है।
- राना आर. और केरामत एस., 2021, ए सिस्टेमेटिक लिट्रेचर रिव्यु ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 लॉकडाउन ऑन एयर कॉलिटी इन चाईना, एयरोसोल एण्ड एयर कॉलिट रिसर्च, ताईवान, प्रभाव की जाँच करने वाले हाल के अध्ययनों का एक मात्रात्मक और कथात्मक संश्लेषण प्रदान करने का प्रयास किया।
- चतुर्वेदी आर., विश्वकर्मा एस., सिंह वी. (2021) इम्पैक्ट ऑफ कोविड ऑन सोशियल लाईफ एण्ड मेन्टल हैल्थ इन इंडिया में शिक्षा, सामाजिक विकास के उत्थान के लिए आटोमोबाइल के क्षेत्र में कार्य कर रहे श्रमिकों को भी इलाज के लिए पहुँचाने या चिकित्सा केन्द्रों तक पहुँचने के लिए अतिआवश्यक जरूरत थी।

**समाधान-**

आटोमोबाइल के क्षेत्र में कार्य कर रहे श्रमिकों को दशकों में पहली बार, गरीबी वैश्विक आधार पर बढ़ी, और हाशिए पर पड़े समूहों को संसाधनों के असमान नुकसान का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप देशों के भीतर

और देशों में असमानता में तेज वृद्धि हुई। युवा लोगों, महिलाओं, स्व.नियोजित लोगों और कम माध्यमिक योग्यता वाले अनुबंध श्रमिकों को भी अधिक आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा। चूंकि उनके उन उद्योगों में काम करने की अधिक संभावनाएँ रही हैं। जो उसी समय की स्थिमि में बंद और सामाजिक दूरी के प्रयासों से अधिक प्रभशील रहा है। इसलिए आय और नौकरी में कमी से महिलाएं गंभीर रूप से प्रभावित हुईं। आटोमोबाईल उद्योग सामान्य रुझान के साथ अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस महामारी के दौरान होने वाली घाटे को छोटे संगठनों, अनौपचारिक व्यवसायों और संस्थागत ऋण तक कम पहुंच वाले संगठनों द्वारा अधिक महत्वपूर्ण रूप से महसूस किया गया है। वित्तीय संकट के दौरान, बड़ी कंपनियां मध्यम आकार की कंपनियों के लिए श्रमिकों को बहुत ही कम ध्यान दिया। इसके अतिरिक्त, सूक्ष्म, छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों को उद्योग की मंदी से सबसे अधिक प्रभावित होने में दृढ़ता से प्रतिनिधित्व करने में अधिक कठिनाईयाँ देखी गई हैं। आटोमोबाईल के क्षेत्र में तत्काल अवधि में प्रकोप के लिए सरकारी प्रतिक्रियाएं अविश्वसनीय रूप से त्वरित और व्यापक रूप से कार्य कर रही थीं। इससे अधिकारियों द्वारा विभिन्न नीतियों को सभी को बचाने के लिए कारगर उपाय अपनाया गया। यहाँ तक की ऑटोमोबाईल कम्पनी के मालिकों ने भी अपने श्रमिकों को समय-समय पर पैसे देकर उनकी जीवकोषार्जन के संसाधनों को जुटाने में अहंम भूमिका निभाई है। इससे स्पष्ट है कि ऑटोमोबाईल कम्पनियां ने भी अपने श्रमिकों को आर्थिक उन्नति के लिए अर्थव्यवस्थाओं में इस स्तर पर पहले कभी लागू नहीं की गई थीं। बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष सामाजिक अनुदान कार्यक्रम, ऋण अधिस्थगन और केंद्रीय बैंक की निवेश पहल आदि भी इसके उदाहरण हैं।

इस आपदा से ऑटोमोबाईल कम्पनी ने निकलने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया। पुनः श्रमिकों को आर्थिक उपलब्धता के आधार पर विकास के मौलिक स्तरों पर डालने का अथक प्रयास किया है। इस प्रकार से उनकी सीमित क्षमता और सार्वजनिक उपयोग की जाने वाले ऋण की पर्याप्ति का विशेष ध्यान दिया है। इस वजह से, सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात के रूप में मंदी के लिए बजटीय प्रतिक्रिया उच्च आय वाले देशों में लगभग हमेशा पर्याप्त थी, जबकि विकसित देशों में लगातार नगण्य या अनुपस्थित थी। अविकसित देशों में बजटीय प्रतिक्रियाएं काफी भिन्न दिखाई देती हैं।

ऑटोमोबाईल कम्पनी ने व्यवसायों और अन्य वाणिज्यिक उद्यमों को फिर से शुरूआत करने का कार्य किया है। इसके परिणामस्वरूप, बेरोजगारी की दर में बहुत ही अधिक गिरावट देखा गया है। यहाँ तक कोविड-19 के स्तर पर आर्थिक गिरावट का अत्यधिक सामना करना पड़ रहा था। ऑटोमोबाईल कम्पनी ने लॉकडाउन कितने लंबे समय तक चलाए उनका आर्थिक प्रभाव बहुत कम हो गया था। इस प्रकार से व्यवसायों को देर से भुगतान करने की अनुमति भी नहीं थी। इस प्रकार से कमजोर परिवारों को धन और आवश्यकताएँ देकर उनकी मदद करने की योजनाओं को भी ग्राम्य किया गया है। इस प्रकार से छोटे किसानों और उद्यमियों के लिए प्रोत्साहन कार्यक्रम के आधार पर कार्य करने की विशिष्टाओं की ओर रेखांकित किया गया है।

### तालिका क्रमांक-1

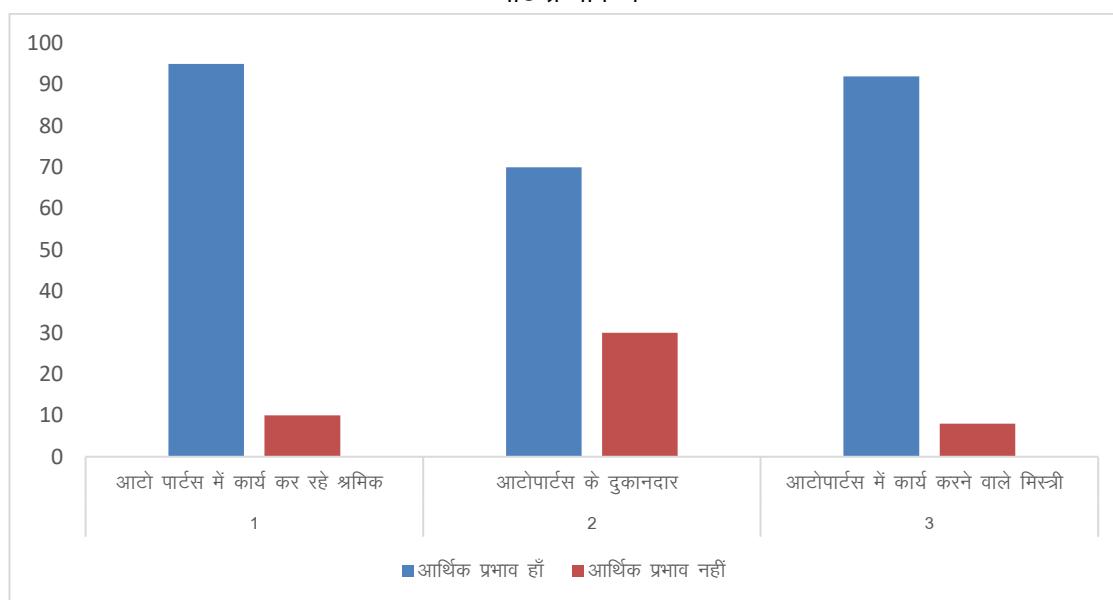
कोविड-19 के दौरान आटोमोबाईल क्षेत्र में कार्य कर रहे श्रमिकों पर आर्थिक प्रभाव का अध्ययन

| क्र | आटोमोबाईल कम्पनी                        | आर्थिक प्रभाव हाँ (%) | आर्थिक प्रभाव नहीं (%) |
|-----|---|-----------------------|------------------------|
| 1   | आटो पार्ट्स में कार्य कर रहे श्रमिक     | 95                    | 10                     |
| 2   | आटोपार्ट्स के दुकानदार                  | 70                    | 30                     |
| 3   | आटोपार्ट्स में कार्य करने वाले मिस्त्री | 92                    | 08                     |

Sources-व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से

तालिका क्रमांक-1 में कोविड-19 के दौरान आटोमोबाईल कम्पनी में कार्य कर रहे श्रमिकों में आर्थिक प्रभाव हाँ में 95% लोगों में पड़ा। जबकि आर्थिक प्रभाव नहीं में 10% प्रतिशत श्रमिकों में नहीं पड़ा। आटोपार्ट्स के दुकानदारों में 70% प्रतिशत को आर्थिक प्रभाव पड़ा। जबकि 30% दुकानदारों को आर्थिक प्रभाव नहीं पड़ा। इससे आटोपार्ट्स में कार्य करने वाले मिस्त्री में 92% प्रतिशत लोगों प्रभावित हुए जबकि 08% मिस्त्री नहीं प्रभावित हुए।

चार्ट क्रमांक-1



### निष्कर्ष-

ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में आर्थिक विकास को मजबूत करने का कार्य किया गया है। इस प्रकार नई सामग्रियों का पता लगाना और भविष्य में ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में अधिक से अधिक कुशल संरचनात्मक कार्यों को महत्व प्रदान किया गया है। इस प्रकार से ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहनों को सख्ती से विकसित किया गया। ऑटोमोबाइल के लिए हल्के सामग्रियों और हल्के वाहनों की खोज करना भी शामिल है।

### References

- मीनाक्षी एस, राकेश पी, तुषार एस, लौना आर., 2021, द इफेक्ट ऑफ कोविड-19 एण्ड रिलेटेड लॉकडाउन फेसेज ऑन यंग पीपल वरीज एण्ड इमोशन, नोवल डेटा इंडिया, यू.के., पृष्ठ 130
- मोनिका सी. सेडोनी पीआर, शंकर डी, 2020, इफेक्ट ऑफ कोविड 19 ऑन द इकोनोमी इन इंडिया, जर्नल ऑफ हैल्थ मैनेजमेंट, जयपुर, पृष्ठ 122
- वासवानी पूर्णिमा, प्रसाद अजनेश, 2022, द इमपॉसिबिलिटी ऑफ सोशियल डिस्टेंसिंग अमोंग द अर्बन पूअर, द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जस्टिस एण्ड सर्टेनेबिलिटी, नई दिल्ली, पृष्ठ 106
- श्रीवास्तव ए. एल., 1979, स्वास्थ्य के सामाजिक सांस्कृतिक आयाम, अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, काशी विद्यापीठ, वाराणसी, पृष्ठ 98
- शर्मा, वीरेन्द्र प्रकाश, "रिसर्च मैथडोलॉजी", पंचशील प्रकाशन, जयपुर, पृष्ठ 55
- भारद्वाज, मैथिलीप्रसाद, 2009, "शोध प्रविधि", आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा, वर्ष, पृष्ठ 11
- अवधप्रसाद, 2008, "गॉवों में सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक परिवर्तन", हिन्द बुक डिपो, नई दिल्ली, पृष्ठ 22
- याजिया डी, एजवा एस.ए., हैरी सी, 2021, करेन्ट कोविड-19, ट्रीटमेंट्स, रैपिड रिव्यू ऑफ द लिटरेचर, युनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग, स्कॉटलैण्ड, पृष्ठ 86
- आनन्द वी, वर्मा एल, अग्रवाल ए, राय एच, 2021, कोविड-19 एण्ड साईकोलॉजिकल डिस्ट्रेस, प्लोज वन, सेन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया, पृष्ठ 35
- शुभा पी., दीपक बी. एण्ड उपानन्दा पी, 2022, इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 ऑन मेन्टल हेल इश्यू ऑन इंडिया, एशिया पेशिफिक जर्नल ऑफ हैल्थ मैनेजमेंट, नई दिल्ली, पृष्ठ 225

11. क्षेत्रपाल एस, भाटिया आर, 2020, इम्पैक्ट ऑफ कोविड-19 पैन्डेमिक ऑन हेल्थ सिस्टम एण्ड सर्टेनेबल डेवेलपमेंट गोल, इंडियन जर्नल ऑफ मेडीकल रिसर्च, नई दिल्ली, पृष्ठ 128
12. मन्सूर आर, 2021, एस्टीमेटिंग द इम्पैक्ट ऑफ द पैन्डेमिक ऑन चिल्ड्रन्स फिजिकल हैल्थ ए स्कोरिंग रिव्यू द जर्नल ऑफ स्कूल हैल्थ, ब्लूमिंगटन, पृष्ठ 225
13. जेनेवीन एफ, डो ब्रिगेटी, डी वांग, 2020, अर्ली इफेक्ट ऑफ कोविड-19 पैन्डेमिक ऑन फिजिकल एक्टीविटी एण्ड सेडेन्टरी बिहेवियर्स इन चिल्ड्रन लिविंग इन यूस, बीएमसी पब्लिक हैल्थ, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, कैम्ब्रिज, पृष्ठ 22
14. आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22

